

**CENTER FOR MAHARSHI DAYANAND  
&  
VEDIC STUDIES**

**SCHEME OF EXAMINATION OF PG DIPLOMA IN KARMAKAND (PDK)  
W.E.F. 2023-2024**

The program of PG Diploma in Karmakand will be of one year (two semesters) duration and of at least 44 credits.

After completing PG Diploma in Karmakand successfully, students will be eligible to pursue further study in this field and may join the Program Paurohitya-Acharya 3rd semester (lateral entry)

**Credit Matrix for PG Diploma in Karmakand (PDK)**

Semesters	Discipline Specific Course (DSC)	Skill Enhancement Course (SEC) /Internship	Value Added Course (VAC)	Total
I	16	04	02	22
II	16	04	02	22
Total	32	08	04	44

**PG Diploma in Karmakand (PDK)  
SCHEME OF EXAMINATION AND SYLLABI  
(W.E.F. 2023-2024)**

(Semester -I)								
Sr. No	Course Code	Nomenclature	L	T	P	Cr edits	Theory/ Practical	Internal Assessment
1	23MDVSK11D S1	वैदिक धर्म एवं संस्कृति	3	1	0	4	70	30
2	23MDVSK11D S2	वेदाङ्ग ( कल्प एवं ज्योतिष )	3	1	0	4	70	30
3	23MDVSK11D S3	वैदिक नित्य, नैमित्तिक एवं काम्यकर्म	2	0	2	4	70	30
4	23MDVSK11D S4	वैदिक व्रत एवं पर्व	2	0	2	4	70	30
5	संस्कृतभाषापरिचय	संस्कृत भाषा परिचय Offered by Sanskrit Department for Hindu Studies	3	1	0	4	70	30

0	IKS	Value Added Course From the common pool <i>Indian knowledge System</i>	2	0	0	2	35	15
		<b>Total</b>	<b>15</b>	<b>3</b>	<b>4</b>	<b>22</b>	<b>385</b>	<b>165</b>
<b>(Semester -II)</b>								
Sr. No	Course Code	Nomenclature	L	T	P	Credits	Theory/ Practical	Internal Assessment
1	23MDVSK12D S1	संस्कारविधि-1	2	0	2	4	70	30
2	23MDVSK12D S2	संस्कारविधि-2	2	0	2	4	70	30
3	23MDVSK12D S3	पूजा एवं संस्कार की विविध पद्धतियाँ	4	0	0	4	70	30
4	23MDVSK12D S4	पुरोहित आचार मीमांसा	4	0	0	4	70	30
5	23MDVSK12IN 1	Internship	0	0	4	4	70	30
6		Value Added Course From the common pool	2	0	0	2	35	15
		<b>Total</b>	<b>14</b>	<b>0</b>	<b>8</b>	<b>22</b>	<b>385</b>	<b>165</b>
<p><b>Note- The marks of Internal Assessment are bifurcated as- Attendance - 5 marks, House exam 15 marks and Assignment-10 marks. Courses where 2credits are assigned for practical, 10 marks for Viva-Voce in place of Assignment.</b></p>								

## Diploma in Karmakand (PDK)

### Program Specific Outcomes:

- PSO1 Understanding the Vedic Dharma and Culture.
- PSO2 Understanding the tradition and importance of Vedic Rituals and Sacraments.
- PSO3 Acquiring procedural competency in performing Vedic Rituals and Ceremonies.
- PSO4 Becoming a professional Purohita (Vedic Priest)

### Semester-1

23MDVSK11DS1

Vaidik Dharma, Darshan evam Sanskriti  
वैदिक धर्म, दर्शन एवं संस्कृति

### Course Outcomes:

By completing the course the students

- CO1. Will be able to acquaint themselves with rich repository of Vedic literature.
- CO2. Will be able to understand the fundamentals of Vedic Dharma & Philosophy.
- CO3 Will be able to understand the rich tradition of Vedic Culture.

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 70  
Internal Assessment : 30  
Total Credits : 4

- घटक -I वैदिक साहित्य (संहिता, ब्राह्मण एवं उपनिषद्) का सामान्य परिचय
- घटक -II वैदिक धर्म- वर्णाश्रमधर्म, पुरुषार्थ चतुष्टय, ज्ञान, कर्म, उपासना
- घटक -III वैदिक दर्शन- षड्दर्शन, तत्त्वमीमांसा, साधनचतुष्टय, पञ्चकोश
- घटक -IV वैदिक संस्कृति- यज्ञ, योग, व्रत, जप, तप, पर्व, संस्कार

### दिशानिर्देश :

नोट - 70 अंक की सैद्धान्तिक परीक्षा में 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों में से विकल्प रहित कुल सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

14

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ -

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. वैदिक संस्कृति के मूलतत्त्व - सत्यव्रतसिद्धांतालंकार, प्रकाशक- विजयकृष्ण लखनलाल W-7 A ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
3. भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
4. एकादशोपनिषद् - सत्यव्रतसिद्धांतालंकार, प्रकाशक- विजयकृष्ण लखनलाल W-7 A ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
5. ईशादि नौ उपनिषद् - हरिकृष्णदास गोयन्दका, गीताप्रेस गोरखपुर
6. The Principal Upanisads - S. Radhakrishnan
7. धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ

-109 - 109-

23MDVSK11DS2  
Vedanga Kalpa evam Jyotish

वेदाङ्ग (कल्प तथा ज्योतिष)

Course Outcomes:

By completing of the course the students:

- CO1. Will be able to gain adequate knowledge regarding Kalpa and Jyotish literature.  
CO2. Will be able to understand the basis of Vedic Rituals and Sacraments.  
CO3. Will be able to have a workable knowledge of Jyotish.

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 70

Internal Assessment : 30

Total Credits : 4

घटक-1 कल्पसाहित्य का परिचय- गृह्यसूत्र, श्रौतसूत्र, शुल्बसूत्र, धर्मसूत्र

घटक-2 ज्योतिषशास्त्रीय प्रमुख ग्रन्थों का परिचय

घटक-3 पञ्चांग ( तिथि ,वार, नक्षत्र, योग और करण), मुहुर्त, राशि, ग्रह, लग्न,

कालविभाजन (युग,कल्प,मन्वन्तर,संवत्सर,अयन, ऋतु,मास, पक्ष, दिवस, होरा)

घटक- 4 फलित ज्योतिष- समीक्षात्मक विमर्श

दिशानिर्देश :

नोट - 70 अंक की सैद्धान्तिक परीक्षा में 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों में से विकल्प रहित कुल सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

14

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय ज्योतिष -श्री नेमीचन्द्र शास्त्री
4. गणित ज्योतिष -श्री पण्डित पन्नालाल
5. ज्योतिष तत्त्व -भाग 1 व 2 - प्रो .प्रियव्रत शर्मा) चण्डीगढ़
6. मुहूर्तचिन्तामणि - चौखम्बा प्रकाशन
7. अवकहडाचक्रम् -- चौखम्बा प्रकाशन
8. ज्योतिष विवेक -आ .वेदव्रत मीमांसक आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली
9. सत्यार्थप्रकाश- महर्षि दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय अजमेर



- 111 - - 111 -

23MDVSK11DS3

Vaidik Nitya-Naimittik Evam Kamya Karma

वैदिक नित्य-नैमित्तिक एवं काम्य कर्म

Course Outcomes:

By completing of the course the students:

- CO1. Will be able to understand the Nitya-Krama and their procedure  
CO2 Will be able to understand the Naimittika-Krama and their procedure  
CO3. Will be able to understand the Kamya-Krama and their procedure

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 70

Internal Assessment : 30

Total Credits : 4

- घटक-1- ब्रह्मयज्ञ (सन्ध्या), पितृयज्ञ, अतिथियज्ञ तथा बलिवैश्वदेवयज्ञ मन्त्र-अर्थ एवं विधिबोध (दयानन्दकृत पञ्चमहायज्ञविधि के अनुसार)  
घटक-2 देवयज्ञ (हवन), मन्त्र-अर्थ एवं विधिबोध (दयानन्दकृत पञ्चमहायज्ञविधि के अनुसार)  
घटक-3 नैमित्तिक कर्म - दर्शष्टि, पौर्णमासेष्टि, जन्मदिन, विवाहवर्षगाँठ, पुण्यतिथि विभिन्न संस्कृतियों की परम्परा के साथ  
घटक-4 काम्यकर्म- व्यापारारम्भ, वाग्दान, विद्यारम्भ (स्कूल प्रवेश), वाहनस्वागत-, शालाकर्म (शिलान्यास, भूमिपूजन, उद्घाटन आदि तथा अन्य काम्य इष्टियाँ ।

दिशानिर्देश :

नोट - 70 अंक की सैद्धान्तिक परीक्षा में 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों में से विकल्प रहित कुल सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

14

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न  
घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 14  
अथवा

दो में से एक प्रश्न  
घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ 14  
अथवा

दो में से एक प्रश्न  
अनुशंसित ग्रन्थ

1. पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर।
2. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
3. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, W-77/A, नई दिल्ली
4. नित्यकर्म विधि- सं. आचार्य राजवीर शास्त्री , आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
5. नित्यकर्म विधि- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
6. आर्य सत्संग प्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
7. आर्य संस्कारप्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
8. वैदिक उपासना प्रदीप - डा. बलवीर आचार्य, अन्तर्राष्ट्रीय वैदिकशोधसंस्थान, रोहतक



23MDVSK11DS4

वैदिक व्रत एवं पर्व

Course Outcomes:

By completing the course the students

- CO1. Will be able to understand the importance of Vrata and Parva  
CO2. Will be able to understand the characteristics and various forms of Vrata  
CO3 Will be able to perform the ceremonies for various Vedic Parvas

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 70

Internal Assessment : 30

Total Credits : 4

घटक-1 - वैदिक व्रत एवं पर्वों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, अनुष्ठान की उपयोगिता और महत्त्व

घटक-2- व्रत- परिभाषा, भेद, विधि, लाभ, तिथि-निर्णय, अधिकारी आदि

घटक-3 - धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व- नवसंवत्सर, रामनवमी, कृष्णजन्माष्टमी, श्रावणी, विजयदशमी, दीपावली, होली, वैशाखी, मकर-संक्रान्ति आदि

घटक-4 - राष्ट्रीय एवं सामाजिक पर्व- स्वतन्त्रतादिवस, गणतन्त्रदिवस, गान्धीजयन्ती, दयानन्द जयन्ती आदि

दिशानिर्देश :

नोट - 70 अंक की सैद्धान्तिक परीक्षा में 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों में से विकल्प रहित कुल सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ

अथवा

14

14

14

14

दो में से एक प्रश्न  
घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न  
अनुशंसित ग्रन्थ

1. पर्वचन्द्रिका- आचार्य प्रेमभिक्षु, सत्यप्रकाशन, मथुरा।
2. आर्यपर्व पद्धति, पं. भवानीप्रसाद, सत्यधर्म प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आर्य संस्कारप्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
4. वैदिक उपासना प्रदीप - डा. बलवीर आचार्य, अन्तर्राष्ट्रीय वैदिकशोधसंस्थान, रोहतक
5. व्रत-परिचय, गीताप्रेस, गोरखपुर

23MDVSK12DS1

संस्कारविधि-1

Course Outcomes:

By completing of the course the students:

CO1. Will be able to understand the importance of Vedic Sacraments and rituals.

CO2. Will be able to understand the importance and the procedure of Pre & Post birth Sacraments.

CO3. Will be able to perform the first eleven Sacraments explained in Sanskarvidh.

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 70

Internal Assessment : 30

Total Credits : 4

घटक-1- गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन तथा जातकर्म संस्कार (दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार)

घटक-2- नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुण्डन)चौलकर्म(, तथा कर्णवेध संस्कार (दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार)

घटक-3- उपनयन तथा वेदारम्भ (दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार)

घटक-4- पाठित संस्कारों का महत्त्व, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं परिचयात्मक विवरण

दिशानिर्देश :

नोट - 70 अंक की सैद्धान्तिक परीक्षा में 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों में से विकल्प रहित कुल सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

14

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

-116-

-116-

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ अथवा दो में से एक प्रश्न	14
घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ अथवा दो में से एक प्रश्न	14

#### अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
2. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, W-77/A, नई दिल्ली
3. आर्य संस्कारप्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
4. वैदिक सिद्धान्त मीमांसा - पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
5. श्रौतयज्ञ मीमांसा- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत

23MDVSK12DS2

संस्कारविधि-2

Course Outcomes:

By completing of the course the students:

- CO1. Will be able to understand the importance of Vedic Sacraments and rituals.  
CO2. Will be able to understand the importance and the procedure of some of the Post birth Sacraments.  
CO3. Will be able to perform the last five Sacraments explained in Sanskarvidh.

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 70

Internal Assessment : 30

Total Credits : 4

घटक-1- समावर्तन एवं विवाह संस्कार (दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार)

घटक-2- गृहस्थाश्रम प्रकरण (दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार)

घटक-3- वानप्रस्थ, संन्यास तथा अन्त्येष्टि संस्कार (दयानन्दकृत संस्कारविधि के अनुसार)

घटक-4- पाठित संस्कारों का महत्त्व, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं परिचयात्मक विवरण

दिशानिर्देश :

नोट - 70 अंक की सैद्धान्तिक परीक्षा में 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों में से विकल्प रहित कुल सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

14

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ

अथवा

14

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
2. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, W-77/A, नई दिल्ली
3. आर्य संस्कारप्रदीप - डा. सतीश प्रकाश, महर्षि दयानन्द गुरुकुल, न्यूयार्क
4. वैदिक सिद्धान्त मीमांसा - पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
5. श्रौतयज्ञ मीमांसा- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत

-120- 119-

23MDVSK12DS3  
Pooja evam Sanskar ki Vividh paddhatiyan  
पूजा एवं संस्कार की विविध पद्धतियाँ

Course Outcomes:

By completing the course the students:

CO1. Will be able to know the different systems of Karmakanda.

CO2. Will be able to understand the different social customs related to Karmakanda.

CO3 Will be able to understand inter cultural relations of various social groups.

समय : 3 घण्टे	Theory Marks	: 70
	Internal Assessment	: 30
	Total Credits	: 4

घटक-1- कर्मकाण्ड की दयानन्दसम्मत वैदिक पद्धति

घटक-2- कर्मकाण्ड की सनातन पद्धति

घटक-3- कर्मकाण्ड की जैन, बौद्ध एवं सिक्ख पद्धतियाँ

घटक-4- विविध विवाह अधिनियमों का सामान्य परिचय

दिशानिर्देश :

नोट - 70 अंक की सैद्धान्तिक परीक्षा में 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों में से विकल्प रहित कुल सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

14

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ

14

अथवा



दो में से एक प्रश्न

घटक-4 चार में से दो टिप्पणियाँ

अथवा

14

दो में से एक प्रश्न

अनुशंसित ग्रन्थ-

1. पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर।
2. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष
3. वैदिक सिद्धान्त मीमांसा - पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
4. श्रौतयज्ञ मीमांसा- पं. युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत
5. कर्मठगुरु - मुकुन्दवल्लभ , मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
6. नित्यकर्मपूजा प्रकाश, गीतीप्रेस गोरखपुर
7. जैन संस्कार विधि, पंडित मनसुखलाल नेमिचन्द, निर्णयसागर प्रैस, मुंबई
8. आनन्द कारज- बलवन्त सिंह
9. हिन्दू विवाह अधिनियम- इन्द्रजीत मल्होत्रा, ईस्टर्न बुक कम्पनी

23MDVSK12DS4  
Purohita Aachaar Mimamsa  
पुरोहित आचारमीमांसा

Course Outcomes:

By completing the course the students:

- CO1. Will be able to develop a personality of good Purohit  
CO2. Will be able to know the importance of their duties as Purohit  
CO3. Will be able to execute & fulfill social obligations

समय : 3 घण्टे

Theory Marks : 70

Internal Assessment : 30

Total Credits : 4

घटक-1 - पुरोहित की दिनचर्या

घटक-2 - पुरोहित की वेश-भूषा, भाषा और सामान्य व्यवहार

घटक-3 - पुरोहित की विद्या और स्वाध्याय

घटक-4 - पौरुहित्य साध्य-साधन परिचय (यज्ञकुण्ड, यज्ञपात्र, यज्ञसामग्री तथा यज्ञोपयोगी अन्य साधनों का देश, काल, परिस्थिति के अनुसार अनुप्रयोगात्मक बोध)

दिशानिर्देश :

नोट - 14-14 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अंतर्गत सभी घटकों से विकल्प रहित सात वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 14

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं -

घटक -1 चार में से दो टिप्पणियाँ 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -2 चार में से दो टिप्पणियाँ 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -3 चार में से दो टिप्पणियाँ 14

अथवा

दो में से एक प्रश्न

घटक -4 चार में से दो टिप्पणियाँ

अथवा

14

दो में से एक प्रश्न

अनुशासित ग्रन्थ

1. व्यवहारभानु-- स्वामी दयानन्द सरस्वती
2. आर्योद्देश्य रत्नमाला - - स्वामी दयानन्द सरस्वती
3. यज्ञ आचार संहिता, पं वीरसेन वेदश्रमी, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली
4. नीतिशतक, भर्तृहरि
5. दृष्टान्त-रत्नमाला, वेदानन्द दण्डी शास्त्री, आर्ष गुरुकुल यज्ञतीर्थ, एटा
6. संस्कार विधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती, सं. आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
7. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तलंकार, W-77/A, नई

23MDVSK12IN1

Internship

Theory Marks	: 70
Internal Assessment	: 30
Total Credits	: 4

**For Internship a student has to work at least for 120 hours in summer break at Gurukul/Ashram/ Temple/ Yajanshala or any other such place where he/she can have professional work experience in the concerned field.**

**For the theory marks internship student will be evaluated with the detailed report submitted by him/her and duly signed by the Guide with whom he/she completed his/her internship and for the marks of internal assessment, a viva voce will be conducted.**